इंदिरा गाँधी कृषि विश्व विश्वविद्यालय, रायपुर

एवं

संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़, रायपुर

कृषि मौसम सलाह सेवाएँ

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

(Project sponsored by IMD,MoES,New Delhi)

0771-2442557

Patron:Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. R.K. Bajpai* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: **Agrometeorology**- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, **Horticulture**-Dr. G.L Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. Dhananjay Sharma, **Agronomy** - Dr. H.L. Sonboir, **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.S.V. Jogdand ,**SWE**-Er.V.M. Victor

वर्ष: 28, क्रमांक: 63 **दिनांक 06.08.2019**

विगत सप्ताह का मौसम:- लभांडी स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार विगत पाँच दिनो के दौरान 19.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है जो की सामान्य की तुलना में कम है । इस दौरान सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि 0.0 से 5.9 घंटे के बीच दर्ज की गई। औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.5 डि.से. (सामान्य से कम) तथा 24.8 डि.से. (सामान्य से अधिक) दर्ज किया गया है। इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः 11.0 कि.मी. प्रति घंटा व 2.5 मि.मी. प्रति दिन था। प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान क्रमशः 90% व 25.6 डि.से. दर्ज की गई जबकि दोपहर में यह क्रमशः 80% व 30.7 डि.से. दर्ज की गई।

मौसमपूर्वानुमान:- भारत मौसम विभाग रायपुर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार छत्तीसगढ़ के अधिकांश स्थानों में मध्यम से घने बादल छाए रहने के साथ-साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है । इस दौरान हवा में 82 से 95 प्रतिशत नमी होने की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों मे अधिकतम तापमान लगभग 27 से 32°C एवं न्यूनतम तापमान 22 से 26°C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग 5 से 9 किलो मीटर/घंटा रहने कि संभावना है।

क्षेत्राच्छादन:-संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़ रायपुर से प्राप्त साप्ताहिक प्रतिवेदन खरीफ 2019 दिनांक 29/07/2019 के अनुसार प्रदेश में खरीफ फसलों की लगभग 71% बोवाई का कार्य हो चुका है। जिसका फसलवार विवरण निम्नानुसार है।

अनाज	क्षेत्रफल (000 हे.)	दलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	तिलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	अन्य	क्षेत्रफल (000 हे.)
धान	2866.36	अरहर	72.79	मूँगफली	42.88	रेशेदार एवं अन्य फ़सलें	79.18
मक्का	183.04	मूंग	10.01	तिल	14.40		
		उड़द	61.57	सोयाबीन	65.64		
		कुल्थी	0.11	रामतिल	0.13		
				सूरजमुखी	0.3		
योग अनाज	3077.60 (77%)	योग दलहन	144.48 (37%)	योग तिलहनी	123.08 (42%)	महायोग	3424.34 (71%)

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

1. कम वर्षा वाले स्थानों में धान में कटुआ कीट की संभावना है अत: सतत् निगरानी करें। सूखे खेत में कटुआ इल्ली का प्रकोप होने पर डाइक्लोरोवास 1 मि.ली. दवा/लीटर पानी में घोलकर 200 लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। जिन खेतों में पानी भर गया हो एवं कटुआ इल्ली दिखे वहाँ 1 लीटर मिट्टी का तेल/एकड़ की दर से पानी में डालकर पौधों के ऊपर रस्सी चलायें जिससे इल्लियां मिट्टी तेल युक्त पानी में गिर जायें।
2. कम वर्षा वाले स्थानों में किसान भाई खेतों की जुताई कर खरीफ फसलों के बीजों (धान, मक्का, तिल, मूंग, उड़द आदि) को उपचारित कर कतारों में बुवाई करें ।
3. किसान भाइयो को सलाह है की धान की विभिन्न अवस्थाओ में अनुशंसित मात्रा में नत्रजन का छिड़काव करे।
4. धान के खेत में मेड़ों को बांधकर रखें तथा जल्द से जल्द रोपाई का कार्य पूर्ण करें। रोपाई में देरी को देखते हुए एक स्थान पर 4-5 पौध रोपाई करें एवं 10% अधिक नत्रजन डालें।
5. रोपा किए गए खेतों में लगभग 5 से.मी. पानी रोक कर रखे। अधिक पानी भरा होने से कन्सो की संख्या प्रभावित होती हैं।
6. धान फसल में निंदा नियंत्रण हेतु बिसपयारी बैक दवा 25 ग्रा. सक्रिय तत्व +500 लीटर पानी प्रति हे. की दर से या इथाक्सीसल्फ्युरान 50 मि .ली.+ 500 लीटर पानी प्रति हे. की दर से बुवाई के 20 से 25 दिन के अंदर छिड़काव करें।
7. धान नर्सरी में कार्बोफ्यूरान दानेदार दवा 20 किलो प्रति एकड़ नर्सरी के हिसाब से थरहा निकालने के चार दिन पूर्व उपयोग करें तत्पश्चात् थरहा निकाल कर रोपाई करें।
8. धान फसल में हानिकारक कीटों की उपस्थिति पर सतत निगरानी रखें इस हेतु प्रकाश प्रपंच उपकरण का उपयोग किया जा सकता हैं। प्रकाश प्रपंच उपकरण फसल से थोड़ी दूरी पर लगाकर शाम 6.30 बजे से रात 10.30 बजे तक ही बल्ब जलाएं व सुबह एकत्रित कीटों को नष्ट कर देवें।
9. सोयाबीन में पत्ती खाने वाले इल्लियां एवं चक्र भिंग (girdle beetle) कीट ज्यादा दिखने पर ट्राईजोफास 2 मि.ली. दवा/लीटर पानी के दर से या फ्लुबेंडामाईड 1/2 मि.ली. दवा/लीटर पानी के दर से घोल बनाकर 200 लीटर घोल प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। दवा छिड़काव के 3 घंटे के भीतर बारिश हो जाने पर पुन: छिड़काव जरुरी है व साबुन के घोल का उपयोग करें।
10. कतार बोनी में सीड ड्रिल एवं दानेदार उर्वरक का उपयोग करें।

फल

1. केले में वाटर सर्कस की पहचान कर निकालने का कार्य करते रहें एवं जिन पौधों में फूल/फल आया हो तुरंत बांस लगाकर सहारा प्रदान करें।
2. पिछले वर्ष रोपित आम के पौधों में नई शाखा आने पर सहीं ढांचा बनाने हेतु कांट छांट करें।
3. अनार एवं अमरुद में फूल को हटा दें ताकि ठंड की फसल लिया जा सके।

पशुपालन

1. मच्छरों से बचाव हेतु मवेशियों को पशुशाला से बाहर निकालने के पश्चात् ही पशुबाड़े में धुआ करे।
2. पशुबाड़े की फर्श को यथासंभव सूखा रखे एवं गोबर की सफाई करते रहे।
3. यदि दुधारू गायों के अयन में खरोंच व चोट लगा हो तो हिमैक्स (Himax) लोशन लगायें।
4. पशुबाड़े के आस पास उगी झाडियों, गाजर घास को उखाड़कर फेक दें एवं गड्ढों को भर दें ताकि मच्छर न पनपने पायें।
5. बारिश के मौसम में भी पहले जैसा अंडा उत्पादन लेने हेतु मुर्गीघर में 16 घंटे रोशनी की व्यवस्था करें। यदि दिन की रोशनी समुचित न हो तो कृत्रिम रूप से रोशनी दें।
6. मुर्गियों को कृमि रोग से बचाव हेतु हर तीन माह में कृमिनाशक दवा खिलावें।

आर. के .चंद्रवंशी
सयुंक्त संचालक कृषि,
संचालनालय कृषि
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर(छ.ग)

जे.एल.चौधरी
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

डॉ.जी.के.दास
विभागाध्यक्ष
कृषि मौसम विज्ञान विभाग,
इ.गा.कृ.वि.वि रायपुर(छ.ग)